MA 2nd Sem.

Total number of printed pages–7

14 (HIN–2) 2016

2022

HINDI

Paper : HIN–2016

(Ritikaalin Kāvya)

(रीतिकालीन काव्य)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. सही विकल्प का चयन करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'रतन बावनी' किस प्रकार का काव्य है ?

(i) चरित काव्य

(ii) वीर काव्य

(iii) प्रशस्ति काव्य

(iv) शृंगार काव्य

Contd.

(ख) इनमें से केशव ने अपनी कविता में स्थान नहीं दिया है —

(i) कल्पना

(ii) पौराणिक ज्ञान

(iii) धर्मशास्त्र

(iv) रूपवाद

(ग) किस इतिहासकार ने केशव को भक्तिकाल का कवि माना है?

(i) ग्रियर्सन

(ii) रामचन्द्र शुक्ल

(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iv) डॉ० नगेंद्र

(घ) बिहारी को 'सतसई' की रचना में इनमें से किस ग्रंथ से प्रेरणा नहीं मिली थी?

(i) गाथासप्तशती

(ii) आर्यासप्तशती

(iii) अमरूकशतक

(iv) यमक सतसई

(ङ) "दसन-दमक फैलि हियें मोती-माल होती"
—'दसन-दमक' और 'मोती-माल' में कौन-सा अलंकार है?

(i) रूपक

(ii) छेकानुप्रास

(iii) लाटानुप्रास

(iv) पुनरुक्तिप्रकाश

(च) इनमें से कौन-सी विशेषता घनानन्द की कविता की नहीं है?

(i) भावजन्य वक्रता

(ii) ऊहात्मकता

(iii) विरह प्रवणता

(iv) लाक्षणिकता

(छ) इनमें से कौन-सी रचना मतिराम की नहीं है?

(i) सतसई

(ii) अलंकारपंचाशिका

(iii) वृत्तकौमुदी

(iv) शृंगाररसमाधुरी

(ज) "भोरी भई है मयंकमुखी" — 'मयंकमुखी' में अलंकार है —

(i) रूपक

(ii) श्लेष

(iii) वक्रोक्ति

(iv) यमक

(झ) 'शिवराजभूषण' किस प्रकार का ग्रंथ है?

(i) अलंकार-निरूपक

(ii) रस-निरूपक

(iii) छंद-निरूपक

(iv) शृंगार-निरूपक

(ञ) भूषण की काव्य-भाषा की विशेषता नहीं है—

(i) कठोरता

(ii) कटुता

(iii) मधुरता

(iv) ओजपूर्णता

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अत्यंत संक्षेप में दीजिए : 2×7=14

(क) केशव के *किन्हीं दो* लक्षण ग्रन्थों के नाम लिखिए।

(ख) "मनो भगीरथ पथ चल्यौ, भागीरथी प्रवाह॥" — आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) बिहारी सतसई की *किन्हीं दो* विशेषताएँ बताइए।

(घ) "सुनौ है कै नाहीं यह प्रकट कहवति जू
काहू कलपाय है सु कैसे कल पाय है॥"
— इन पंक्तियों का अंतर्निहित आशय क्या है?

(ङ) "तब हार पहार से लागत हे अब आनि कै वीच पहार परे।" — कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(च) "तेरे कह्यो सिगरो मैं कियो निसिद्यौस तप्यौ तिंहु तापन पाई।" — कवि ने ऐसा किससे और क्यों कहा है?

(छ) "तेरे ही भुजान पर भूतल को भार,
कहिबे को सेसनाग दिगनाग हिमाचल है।"
— आशय स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) 'रामचंद्रिका' के 'नवाँ प्रकाश' के आधार पर विधवा-धर्म का वर्णन कीजिए।

(ख) बिहारी के अन्योक्ति-विधान पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) सुजान का परिचय दीजिए।

(घ) मतिराम की कविता में चित्रित गार्हस्थ जीवन की झाँकी प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) भूषण के काव्य में आश्रयदाता की प्रशस्ति किस प्रकार हुई है? स्पष्ट कीजिए।

4. ***किसी एक*** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×1=10

(क) मेघ मंदाकिनी चारु सौदामिनी रूप रूरे लसे देहधारी मनो।
भूरि भागीरथी भारती हंसजा अंश के है मनो, भोग भारे भनो।
देवराजा लिए देवरानी मनो पुत्र संयुक्त भूलोक में सोहिये।
पक्ष दू संधि संध्या सँधी है मनों लक्षिये स्वच्छ प्रत्यक्ष ही मोहिए॥

(ख) बरज्यो न मानत हौं बार-बार बरज्यो मैं,
कौन काम मेरे इत भौन मैं न आइए।
लाज को न लेस जग हाँसी को न डर मन,
हँसत-हँसत आन बात न बनाइए।
कवि मतिराम नित उठ कलकानि करो,
नित झूठी सौंहै करो नित बिसराइए।
ताके पग लागो निसि जागि जाके उर लागे,
मेरे पग लागि उर आगि न लगाइए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) केशव को 'क्लिष्ट काव्य का प्रेत' कहना कहाँ तक उचित है? सतर्क उत्तर दीजिए।

(ख) "भूषण ने तत्कालीन समाज और साहित्य की परिस्थितियों एवं बंधनों का उल्लंघन कर वीर-काव्य की रचना की।" — प्रस्तुत उक्ति की सार्थकता प्रतिपादित कीजिए।

(ग) घनानन्द के शृंगार-वर्णन की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(घ) बिहारी के दोहों के कलापक्षीय सौन्दर्य की उदाहरण-सहित समीक्षा कीजिए।